समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

शशि थारूर ने एल.के. अडवाणी को दी जन्मदिन की बधाई, राजनीति मे शिष्टाचार और सम्मान का संदेश

Sanket Morankar Published on 10 Nov 2025

कांग्रेस सांसद **शशि थारूर** ने हाल ही में बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री **एल.के. अडवाणी** को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। थारूर ने अडवाणी के लंबे और प्रभावशाली राजनीतिक करियर की सराहना की और उन्हें एक योग्य नेता और वरिष्ठ राजनेता बताया। थारूर का यह कदम भारतीय राजनीति में **सम्मान और शिष्टाचार** का उदाहरण माना जा रहा है।

थारूर ने अपने ट्वीट में लिखा कि राजनीति में मतभेदों के बावजूद नेताओं के बीच सम्मान और आदर कायम रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी एक घटना को लेकर किसी नेता के पूरे राजनीतिक जीवन को परिभाषित नहीं किया जा सकता। थारूर ने अडवाणी के 1990 में राम जन्मभूमि के समर्थन में किए गए **रथ यात्रा** का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उनके राजनीतिक करियर का केवल एक पहलू है और इसे पूरी सेवा यात्रा की दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में आलोचना और विवाद हमेशा रहे हैं, लेकिन व्यक्तिगत सम्मान बनाए रखना आवश्यक है। थारूर ने अडवाणी के योगदान को याद करते हुए उन्हें एक वरिष्ठ नेता और भारतीय राजनीति में आदर्श माना।

बीजेपी ने थारूर के इस सम्मानजनक संदेश पर प्रतिक्रिया दी। पार्टी प्रवक्ता **शहज़ाद पूनावाला** ने कहा कि यह एक "राजनीतिक शिष्टाचार का उदाहरण" है। उन्होंने बताया कि नेताओं के बीच व्यक्तिगत आदर बनाए रखना लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। पूनावाला ने यह भी कहा कि राजनीति में भले ही मतभेद हों, पर सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार और सम्मान हमेशा बनाए रखना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि थारूर का यह कदम दिखाता है कि राजनीतिक व्यक्तिगतcourtesy का पालन किया जा सकता है, और इससे राजनीति में सकारात्मक संवाद को बढ़ावा मिलता है।

शशि थारूर का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना। कई लोग इसे **राजनीति मे सौहार्द और सहयोग का**

सकारात्मक उदाहरण बता रहे हैं। कुछ ने टिप्पणी की कि आज के समय में नेताओं के बीच इस तरह का आदरजनक व्यवहार जनता के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के कदम से राजनीति में स्वस्थ वातावरण और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में मदद मिलती है। यह जनता के बीच यह संदेश फैलाता है कि राजनीति केवल मतभेद और संघर्ष का नाम नहीं है, बल्कि इसमें सम्मान, सहयोग और संयम भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

थारूर के इस कदम ने स्पष्ट किया कि राजनीति में व्यक्तिगत मतभेदों को अलग रखते हुए नेता एक-दूसरे की सेवा और योगदान की सराहना कर सकते हैं। यह युवा नेताओं और छात्रों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकता है, जो राजनीतिक करियर की शुरुआत कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राजनीति में सम्मान और शिष्टाचार बनाए रखना लोकतंत्र की मजबूती और सामाजिक सौहार्द के लिए आवश्यक है। थारूर द्वारा अडवाणी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देना केवल एक व्यक्तिगत संदेश नहीं है, बल्कि यह राजनीति में **सकारात्मक संवाद और सम्मान** का प्रतीक भी है।

शशि थारूर का यह कदम भारतीय राजनीति में एक नया दृष्टिकोण पेश करता है, जिसमें मतभेदों के बावजूद नेताओं के बीच सम्मान और सहयोग बनाए रखना संभव है। यह उदाहरण यह दर्शाता है कि लोकतंत्र में विचारधाराएँ अलग हो सकती हैं, लेकिन **सम्मान और सकारात्मक संवाद हमेशा बनाए रखा जा सकता है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.